nwda.gov.in

शहरों में बढ़ा जल संकट

बेंगलुरु में पानी का संकट है, पर क्या यह सिर्फ सिलिकॉन वैली की कहानी है? रिपोर्ट्स बताती हैं कि कुछ वर्षों में ही दिल्ली, चेन्नै और हैदराबाद सहित 21 शहरों में भूजल लगभग खत्म हो जाएगा। पानी की कमी ने हमें घुटनों पर ला दिया है। जानते हैं पानी का कल, आज और आने वाला कल :

क्यों सूखी वैली

- कोरोना के कारण स्लो हुई कावेरी जलापूर्ति परियोजना।
- मॉनसून की कमजोरी से गिरा शहर का भूजल स्तर।
- शहर की अधिकतर झीलें सूख गईं, तालाबों में भरा सीवेज का पानी।
- नई बसावट, हाईराइज सोसायटी के चलते और गंभीर हुई समस्या।

सूखता भविष्य

44% कोलकाता का 2025 तक जलस्तर गिरेगा।

40% भारतीयों को 2030 तक पानी की किल्लत।

80% पानी की मांग शहरों में 2050 तक बढ़ेगी।

2040-2080 के बीच 3 गुना बढ़ेगी भूजल गिरावट दर।

दुनिया का हाल

200 करोड़ लोग भूजल पर निर्भर।

100 करोड़ शहरों के लोगों पर जल संकट।

52% सिंचाई विस्तार का जल-संकटग्रस्त क्षेत्रों में।

90% से अधिक पानी सिंचाई में।

(सोर्स : वर्ल्ड वॉटर डिवेलपमेंट रिपोर्ट 2023, नीति आयोग, ओक्लाहोमा और मिशिगन यूनिवर्सिटी, अंतरराष्ट्रीय जर्नल साइंस एडवांसेज, SOE 2023, CGWB, उत्तराखंड वन विभाग, UN, Water.org, राज्यसभा)

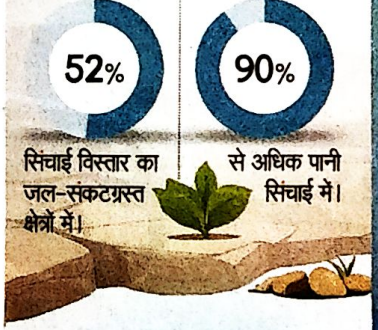

हिमालय

उत्तराखंड में एक लाख प्राकृतिक जल स्रोत सूखने के कगार पर।

4000 गांवों में जल संकट, अकेले अल्मोड़ा में सूखे 300 जलस्रोत।

60% प्राकृतिक जल स्रोतों के जल स्तर में कमी।

60% हिमालयी राज्यों में से अधिक जल स्रोत सूखे।

कम नहीं है संपत्ति

प्रमुख नदियां	14
ताजे पानी की झीलें	26
प्रमुख जलभृत	24

- जल संरक्षण बांध- 4,000
- तालाब- 500,000
- जल संग्रह संरचनाएं 1,000,000
- वर्षा जल संग्रहण संरचनाएं- 10,000

बढ़ता झगड़ा

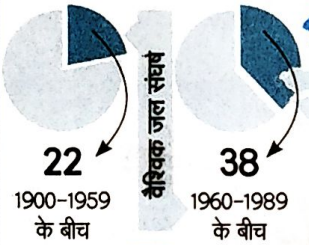

पिछले एक दशक में पानी को लेकर झगड़ों की संख्या दोगुना बढ़ी है

वैश्विक जल संघर्ष

22	1900-1959 के बीच
38	1960-1989 के बीच

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अनुमान है कि देश में अपशिष्ट जल उपचार क्षमता है, जिसमें से केवल 20,235 एमएलडी (28%) का उपयोग किया गया था।

- चंद्रभूषण, CEO, iForest

उत्तर भारत

- दिल्ली में उपलब्धता से ज्यादा भूजल उपभोग।
- बिहार में उपलब्धता से तीन गुना भूजल निकासी।
- वेस्ट यूपी रेड जोन में, तराई में तालाबों-झीलों पर अतिक्रमण।
- पंजाब के 22 जिलों में 18 का भूजल रेड लेवल पर।
- हरियाणा में 135.74% तो राजस्थान में 148.77% भूजल निकासी।

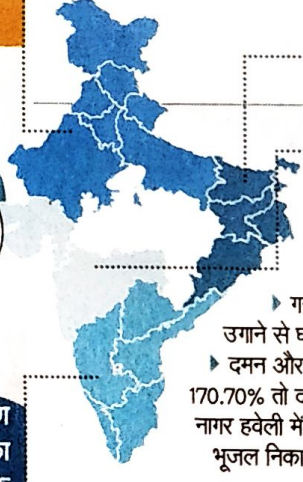

पूर्वी भारत

- पूर्वोत्तर के राज्यों में दिसंबर से मार्च तक पानी की कमी।
- सुंदरबन में गंभीर जल संकट।
- पश्चिम बंगाल के 78 लाख ग्रामीण पेयजल संकट में।

18.6% कोलकाता में भूजल गिरा।

पश्चिमी भारत

- गन्ना उगाने से घटा पानी
- दमन और दीव में 170.70% तो दादरा और नागर हवेली में 131.53% भूजल निकासी।

30% महाराष्ट्र के 2994 बांधों में घटा पानी।

50% गुजरात के गांवों में जल संकट।

दक्षिण भारत

15 राज्यों में भूजल निकासी रीचार्ज से ज्यादा।

सबसे ज्यादा दोहन कर रहा है तमिलनाडु।

38% कर्नाटक के जलाशय भंडार घटकर हुए।

51% आंध्र प्रदेश के जलाशय भंडार घटकर हुए।

कंटेंट: राहुल पाण्डेय, ग्राफिक्स: अमित धींगड़ा